सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 183 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 8 अगस्त, 2023
मूल्य ₹ 3/-

सविता ने इस्तांबुल में लगाया...

7

आप की मदद से होगी भाजपा...

3

ट्रांसफॉर्मर से अधिक बुलडोजर को...

2

अच्छे निर्णय लेना हर स्तर पर एक महत्वपूर्ण कौशल है।

-पीटर ड्रकर

मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर बहस शुरू

गंभीर मुद्दों पर पीएम रख लेते हैं मौन व्रत : गोगोई

» कांग्रेस की ओर से गौरव गोगोई ने की शुरुआत

» विपक्ष बोला-बीजेपी खराब कर रही देश का माहौल

» टीएमसी सांसद डेरेक ओब्रायन राज्यसभा से निलंबित

» राहुल को सुनना चाहते हैं हम : प्रह्लाद जोशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मानसून सत्र में आज संसद में मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा शुरू हो गई। चर्चा की शुरुआत कांग्रेस के पूर्वोत्तर से सांसद गौरव गोगोई ने की। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत से मोदी सरकार पर हमला शुरू कर दिया। कांग्रेस सांसद ने प्रधानमंत्री मोदी पर मणिपुर मामले पर न बोलने का आरोप लगाते हुए कहा गंभीर मुद्दों पर पीएम मौन व्रत रख लेते हैं। वहीं भाजपा ने गोगोई के बोलने पर हंगामा कर दिया उसने कहा कि हम तो यहां पर राहुल गांधी को सुनना चाहते हैं।

मोदी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर आज लोकसभा में चर्चा शुरू हुई तो सत्तापक्ष के लोग राहुल गांधी को सुनने की मांग करने लगे। यह नजारा दिलचस्प था। दरअसल पहले खबर आई थी कि राहुल गांधी बहस की शुरुआत करेंगे लेकिन गौरव गोगोई बोलने के लिए खड़े हो गए। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने तंज कसा कि क्या हुआ, हम तो राहुल गांधी को सुनना चाहते थे। उनका लेटर भी स्पीकर महोदय आपके दफ्तर में आया था। इसी पर कांग्रेस के सदस्य भड़क गए। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि कांग्रेस का लेटर पब्लिक डोमेन में है। गोगोई ने कहा कि अगर मंत्री महोदय ऐसा नियम शुरू करना चाहते हैं कि आपके दफ्तर में जो बात होती है, वह बाहर रखना चाहते हैं तो हम भी बाहर रख सकते हैं।

गोगोई व शाह में बहस

गौरव गोगोई ने कहा कि अध्यक्ष महोदय, क्या हो रहा है, क्या दरख्वास्त दी गई है। आपके दफ्तर के अंदर क्या बातचीत हुई है, क्या हम बताएं कि पीएम मोदी जी ने आपके दफ्तर में क्या-क्या बातें की हैं। इस पर गृह मंत्री अमित शाह ने सख्त लहजे में कहा कि यह गंभीर आरोप है, आप बताइए। कुछ देर तक शोरगुल होता रहा। स्पीकर ने कहा कि माननीय सदस्य मेरा चेंबर भी सदन है। कभी भी ऐसी टिप्पणी नहीं करनी चाहिए जिसमें कोई सत्य या तथ्य नहीं है।

मोदी के पहले कार्यकाल में तेलुगु देशम अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई थी

मोदी सरकार पिछले कार्यकाल में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) अविश्वास प्रस्ताव लेकर आई थी, जिसके खिलाफ 330 वोट पड़े थे। किसी मुद्दे पर विपक्ष की नाराजगी होती है तो लोकसभा सांसद नोटिस लेकर आता है, जैसे इस बार मणिपुर हिंसा को लेकर विपक्ष नाराज है और वह लगातार सदन में प्रधानमंत्री के बयान की मांग कर रहा है, वह अविश्वास प्रस्ताव लेकर आया ह, लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने इसे स्वीकार भी कर लिया है और आज से बहस शुरू हुई है। अविश्वास पर चर्चा के लिए 50 सांसदों का समर्थन जरूरी होता है,गौरव गोगोई के नोटिस को 50 सांसदों का समर्थन प्राप्त है, चर्चा के बाद इस पर वोटिंग की जाएगी। संविधान के अनुच्छेद-75 के मुताबिक, सरकार यानी पीएम और उनका मंत्रीपरिषद लोकसभा के प्रति जवाबदेह है।

चेयरमैन धनखड़ और ओब्रायन में तीखी बहस

तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन को राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया है। उन्हें बाकी मॉनसून सत्रों करे लिए सदन से निलंबित किया गया है। राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप धनखड़ ने आज की कार्यवाही के दौरान घोषणा की है कि तृणमूल सांसद डेरेक ओब्रायन को शेष मॉनसून सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। डेरेक ओब्रायन का निलंबन ऐसे दिन हुआ है जब संसद में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आने वाला है। बुधवार या गुरुवार को अविश्वास मत होने की उम्मीद है। कल यानी ने सोमवार को राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप धनखड़ और टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन के बीच तीखी बहस देखने को मिली थी। इस दौरान राज्यसभा के चेयरमैन जगदीप धनखड़ ने टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन पर पब्लिसिटी के लिए सदन में नाटकबाजी करने का आरोप लगाया था। इस दौरान जब तृणमूल कांग्रेस के सांसद ने अपने भाषण को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 तक सीमित रखने से इनकार किया तो जगदीप धनखड़ का गुस्सा फूटा इसके बाद चेयरमैन ने ओ ब्रायन से कहा, यह आपकी आदत बन गई है। आप एक रणनीति के तहत ऐसा कर रहे हैं,आपको लगता है कि आप बाहर पब्लिसिटी का आनंद लेंगे, आपने इस सदन को बर्बाद कर दिया है।

मणिपुर के इंसाफ के लिए लाए अविश्वास प्रस्ताव : कांग्रेस

गोगई ने कहा कि आपने इंडिया अलायंस के अविश्वास प्रस्ताव को स्वीकार किया। सर, यह अविश्वास प्रस्ताव हमारी मजबूरी है। क्योंकि ये बात कभी भी संख्या की नहीं थी, यह बात मणिपुर के इंसाफ के लिए है। इसी से साफ हो गया कि ऐन वक्त पर कांग्रेस ने रणनीति में बदलाव क्यों किया। राहुल गांधी गौरव गोगोई को बड़े ध्यान से सुनते रहे। उन्होंने कई बार मेज थपथपाई। विपक्ष की तरफ से पहला भाषण पूरी तरह से मणिपुर पर केंद्रित रहा। इसके पीछे एक बड़ी वजह है। इस बार संसद सत्र में पूरे समय विपक्षी गठबंधन मणिपुर पर चर्चा की मांग करता रहा। अविश्वास प्रस्ताव के बहाने कांग्रेस को बोलने का मौका मिला है तो वह देश में यह संदेश देना चाहती है कि वह नॉर्थ ईस्ट को कितनी तवज्जो देती है। राहुल गांधी बोलते तो शायद मणिपुर के मुद्दे पर उतना असर नहीं पड़ता। गौरव असम से सांसद है उनके जरिए यह मैसेज देने की कोशिश की है। यही बात गौरव की स्पीच से भी झलकी। हम यह अविश्वास प्रस्ताव मणिपुर के लिए लाए हैं। मणिपुर इंसाफ मांग रहा है। मणिपुर की बेटियां और किसान, छात्र इंसाफ मांगते हैं। मार्टिन लूथर किंग ने कहा है कि अगर कहीं भी नाइंसाफी हो तो वह हर जगह के लिए इंसाफ का खतरा बन सकता है। मणिपुर अगर जल रहा है, तो भारत जल रहा है। मणिपुर विभाजित हुआ है, तो भारत विभाजित हुआ है। हम सिर्फ मणिपुर की बात नहीं कर रहे हैं, बल्कि पूरे भारत की बात कर रहे हैं। हमारी मांग बस इतनी थी कि पीएम इस पर बोलें। लेकिन पीएम ने मौन व्रत लिया कि सदन में कुछ नहीं बोलेंगे। इसीलिए अविश्वास प्रस्ताव की नौबत आई है। इसके जरिए हम पीएम मोदी का मौन व्रत तोड़ना चाहते हैं। उनसे तीन सवाल हैं। पहला-वह आज तक मणिपुर क्यों नहीं गए? सवाल दूसरा- पीएम को मणिपुर पर बोलने के लिए 80 दिन क्यों लगे? वह भी सिर्फ 30 सेकंड? सवाल तीसरा- पीएम ने आज तक मणिपुर के सीएम को बर्खास्त क्यों नहीं किया? गोगोई ने कहा कि जब भारत के लिए स्वर्ण पदक लाने वाली कुश्ती की महिला खिलाड़ी सड़क पर प्रदर्शन कर रहे थे तो पीएम मौन थे। जब 750 किसानों ने आंदोलन करते बलिदान दिया तो प्रधानमंत्री मौन थे। जब 2020 में दिल्ली में दंगे हुए उस समय भी पीएम मौन थे। जब अडानी पर पीएम से सवाल किया तब भी पीएम मौन थे। जब चीन पर सवाल किया कि है तो पीएम मौन रहे।

विपक्ष की तरफ से पहला भाषण पूरी तरह से मणिपुर पर केंद्रित रहा

अब तक 27 बार लाया जा चुका है अविश्वास प्रस्ताव

आजादी के बाद से अब तक 27 बार केंद्र सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया, लेकिन सिर्फ एक बार ही पास हुआ। जुलाई 1979 में पीएम मोरारजी देसाई ने वोटिंग से पहले इस्तीफा दे दिया था, जिस वजह से उनकी सरकार गिर गई, आखिरी बार अविश्वास प्रस्ताव 20 जुलाई 2018 को आया था,23 बार कांग्रेस पार्टी की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव आया, हालांकि 10 साल पीएम रहे मनमोहन सिंह के खिलाफ एक बार भी अविश्वास प्रस्ताव नहीं लाया गया,इसके अलावा, 2 बार जनता पार्टी जबकि 2 बार बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास लाया गया। बीजेपी के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के पास लोकसभा में स्पष्ट बहुमत है।

ट्रांसफॉर्मर से अधिक बुलडोजर को महत्व दे रही सरकार : अखिलेश

» बोले- शक्ति का अकेला केंद्र बने मुख्यमंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा है कि ट्रांसफॉर्मर से अधिक बुलडोजर को महत्व देने वाले शक्ति का अकेला केंद्र बने मुख्यमंत्री ने सारी ताकत अपने पास रख रखी है तो मंत्री और अधिकारी बिजली की समस्या का क्या समाधान करेंगे। दरअसल अपनी शक्तियों को लेकर मंत्री खुद ही अंधेरे में हैं। एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा कि दिल्ली अध्यादेश पर जनता की तरफ से हमारा भाजपा से सिर्फ एक सवाल है।

अगर दिल्ली में भाजपा की सरकार होती तो क्या भाजपा ये अध्यादेश लाती। अखिलेश ने कहा कि सदन में बड़ी संख्या में सदस्य चाहते थे कि मणिपुर की घटना पर निंदा प्रस्ताव पास हो। दुनिया में जिसने भी संबंधित तस्वीरें और वीडियो देखे, शर्मसार हो गया। ऐसी घटना कभी नहीं हुई होगी।

महिलाओं के साथ भीड़ ने क्या नहीं किया। वहां की सरकार कहती है कि ऐसी तमाम घटनाएं हुई हैं। आज भी वहां हिंसा नहीं रुकी नहीं है। डबल इंजन सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वो समुचित कदम उठाए। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी के बयान पर अखिलेश ने कहा कि इस प्रदेश और देश का अवाम जानता है कि सपा क्या काम कर रही है। वहीं सपा सदस्यों ने विधान परिषद सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह को मणिपुर की घटना पर उनके कक्ष में जाकर ज्ञापन सौंपा। इसमें मणिपुर की घटना के पीड़ित परिवारीजनों को ढांढस बंधाने और घटना की तथ्यात्मक जानकारी लेने के लिए विधान परिषद सदस्यों का एक प्रतिनिधिमंडल भेजने की मांग की।

असलियत से भटक रहे हैं अखिलेश: लक्ष्मी नारायण

गन्ना एवं चीनी विकास मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने सोमवार को विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अपनी असलियत से भटक रहे हैं। वह अपने पैतृक धंधे को ही भूल रहे हैं। चूंकि अखिलेश मंत्री के घर में पैदा हुए, मुख्यमंत्री के घर में ब? हुए हैं। आसमान से टपके हैं। इसलिए उन्हें बार-बार वही बात याद आती है। उनको तो ये सोचना चाहिए कि उनके पूर्वजों का ये धंधा है।

साजिश से छीनी गई आजम खां और अब्दुल्ला की सदस्यता

अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खां और अब्दुल्ला आजम की विधानसभा की सदस्यता साजिश करके छीनी गई है। राहुल गांधी की तरह कोर्ट से इन दोनों नेताओं को भी इंसाफ मिलेगा।राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने पर अखिलेश ने सुप्रीम कोर्ट का धन्यवाद देते हुए कहा कि इस फैसले के बाद पूरी देश की जनता का न्यायालिका पर भरोसा बढ़ा है। भाजपा के तमाम सांसदों और विधायकों को भी सजा हुई है, देखते हैं कि उनकी सदस्यता कब जाती है। अभी तक तो केवल विपक्ष के नेताओं की ही सदस्यता जा रही है।

राजस्थान पुलिस शराबी और कुत्ते की तरह : सीपी जोशी

» भीलवाड़ा कांड को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष के बिगड़े बोल, पुलिसकर्मियों में रोष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। सोशल मीडिया पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी का पुलिसकर्मियों को लेकर भाषण का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस विवादित वीडियो में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी पुलिसकर्मियों के लिए आपत्तिजनक शब्द बोल रहे हैं। सीपी जोशी ने पुलिसकर्मियों को सार्वजनिक तौर पर शराबी और कुत्ता तक बोल दिया। दरसल जोशी ने भीलवाड़ा कांड पर चर्चा करते हुए कहा कि जब बच्ची के परिवार जन रिपोर्ट के लिए गए तो यह शराबी लोग उसकी टीसी मांगते हैं, उसका आधार मांगते हैं परंतु जब किसी बजरी के डंपर को निकालना होता है तो यह कुत्ते की तरह भागते हुए जाते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष के बयान को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो देखकर पुलिसकर्मियों की भावनाए आहत हुई हैं। पुलिसकर्मियों में इस वीडियो को लेकर काफी रोष भी देखने को मिल रहा है। कहना है कि जब तक बीजेपी के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी अपने विवादित बयान को लेकर सोशल मीडिया या फिर मीडिया के माध्यम से अपने विवादित बयान को लेकर सार्वजनिक तौर पर माफी नहीं मांग लेते तब तक के लिए बीजेपी का बहिष्कार करेंगे।

रहस्यमय तरीके से चलती है न्याय देने की प्रणाली : पी चिदंबरम

» कठेरिया को अदालत से स्थगन मिलने पर दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को मानहानि के मामले में उच्चतम न्यायालय से राहत मिलने और भारतीय जनता पार्टी के सांसद रामशंकर कठेरिया को दोषसिद्धि के खिलाफ अपीलीय अदालत से स्थगन आदेश मिलने का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि भारत में न्याय देने की प्रणाली रहस्मय तरीके से चलती है। पूर्व गृह मंत्री ने ट्वीट किया कि इटावा से भाजपा सांसद रामशंकर कठेरिया को एक मामले में दोषी ठहराया गया और दो साल की कैद की सजा सुनाई गई। उन पर मारपीट का आरोप था।

2-3 दिन के भीतर ही उन्हें आगरा की

प्रथम अपीलीय अदालत से दोषसिद्धि पर रोक मिल गई। यह कठेरिया के लिए अच्छा है। इस बारे में मैं कुछ नहीं कहूंगा। उन्होंने कहा कि कथित मानहानि के एक मामले में अपनी सजा पर स्थगन लेने में राहुल गांधी को चार महीने से अधिक समय लग गया और उच्चतम न्यायालय से स्थगन आदेश मिला। भारत में न्याय प्रणाली रहस्यमय तरीके से चलती है।

केरल के विकास में बाधा डाल रहा केंद्र

» सीएम विजयन बोले- अपने कर्ज राज्य पर लाद रही सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को केंद्र सरकार पर राज्य के विकास में बाधा डालने का आरोप लगाया। विधानसभा में मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केरल इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट फंड बोर्ड (केआईआईएफबी) द्वारा लिए गए ऋण को केंद्र मनमाने ढंग से केआईआईएफबी राज्य के कर्ज में जोड़ रहा है, जिसके परिणामस्वरूप सरकार की उधार लेने सीमा कम हो गई है।

सदन में विजयन ने केआईआईएफबी द्वारा वित्त पोषित परियोजनाओं और उनकी स्थिति के संबंध में एक प्रश्न के उत्तर के जवाब में यह प्रतिक्रिया मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि केंद्र द्वारा

बाधाएं पैदा करने के बावजूद प्राथमिकता के आधार पर परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा।

विजयन ने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के उधार को केंद्र के कर्ज का हिस्सा नहीं माना गया है, वहीं` आईआईएफबी के ऋ ण के संबंध में इस बात का ध्यान नहीं दिया गया।

भ्रष्टाचार का ही रूप है रेवड़ी कल्चर : साल्वे

नई दिल्ली। भारतीय राजनीति में चुनाव जीतने के लिए मुफ़्त सुविधाओं का वादा करना रेवड़ी कल्चर कहा जाता है, और उसके पक्ष और विपक्ष में कई तर्क रखे जाते हैं। माहौल ऐसा है कि देश की कई राजनीतिक पार्टियों का वोटबैंक ही रेवड़ी कल्चर पर टिका नजर आता है, लेकिन भारत के पूर्व सॉलिसिटर जनरल तथा जाने-माने वकील हरीश साल्वे इसे भ्रष्टाचार का ही एक रूप मानते हैं, और उन्होंने चुनाव जीतने के लिए रेवड़ी कल्चर को सस्ता राजनीतिक कदम बताया है. ह्रष्ठञ्जङ्क के एडिटर-इन-चीफ संजय पुगलिया के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत में हरीश साल्वे ने चुनावी हथकंडे के रूप में इस्तेमाल की जाने वाली मुफ्तखोरी पर जमकर हमला बोला। हरीश साल्वे ने कहा, रेवड़ी कल्चर भी एक तरह का भ्रष्टाचार है। आप करदाताओं का पैसा दोनों हाथों से बांटो, चुनाव जीतने के लिए, इससे ज़्यादा घटिया राजनीति नहीं हो सकती। इस पर मैं एक ही बात कहूंगा कि भारत अकेला देश नहीं है, जहां यह हो रहा है... कई देशों में ऐसा हो रहा है... यूरोप में आप देख लीजिए, समाजवाद के नाम पर जो कुछ किया गया है, उससे वहां की अर्थव्यवस्था लड़खड़ा रही है... वेतन बढ़ा दिए हैं, कर्मचारियों के लिए जो नियम बनाए हैं, वे अर्थव्यवस्था के अनुकूल नहीं हैं... इससे उत्पादन की लागत बढ़ गई है, कर्मचारी काम नहीं करते।

मनमोहन साहब की लोकतंत्र में आस्था : श्रीनेत

» भाजपा के आका की कायरता की खुली पोल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राज्यसभा में बिल के समर्थन में वोटिंग के लिए देश के पूर्व प्रधानमंत्री और कांग्रेस के दिग्गज 90 वर्षीय नेता मनमोहन सिंह भी व्हीलचेयर पर पहुंचे। इन दिनों मनमोहन सिंह बिमार चल रहे हैं, इस अवस्था में उनको संसद में लेकर आने को लेकर अब कांग्रेस और बीजेपी में जुबानी जंग छिड़ गई है।

कांग्रेस की सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने बीजेपी पर पलटवार करते हुए कहा, चरणचुंबकों की फ़ौज ऐक्टिव की गई है, लेकिन गिद्धों कितनी भी कोशिश कर लो सच ये है कि डाक्टर साहब (मनमोहन सिंह) का सदन में होना तुम्हारे आका की कायरता की पोल खोलता है। ये है डाक्टर साहब की लोकतंत्र में आस्था, और एक तुम्हारे जुमलावीर हैं जो सदन से मुंह छुपाये भाग रहे हैं। लगे रहो चरणचम्पकों। सच ये है कि डाक्टर साहब का सदन में होना तुम्हारे आका की कायरता की पोल खोलता है।

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह व्हीलचेयर पर पहुंचे राज्यसभा

याद रखेगा देश, कांग्रेस की ये सनक : बीजेपी

पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को संसद में लाए जाने पर बीजेपी ने ट्वीट करते हुए इसे शर्मनाक और कांग्रेस की समन बताया। बीजेपी ने अपने ट्वीट में कहा, याद रखेगा देश, कांग्रेस की ये सनक! कांग्रेस ने सदन में एक पूर्व प्रधानमंत्री को देर रात स्वास्थ्य की ऐसी स्थिति में भी व्हील चेयर पर बैठाये रखा वो भी सिर्फ़ अपना बेईमान गठबंधन ज़िंदा रखने के लिए! कांग्रेस ने सदन में एक पूर्व प्रधानमंत्री को देर रात स्वास्थ्य की ऐसी स्थिति में भी व्हील चेयर पर बैठाये रखा वो भी सिर्फ़ अपना बेईमान गठबंधन जिंदा रखने के लिए!

राघव चड्ढा ने किया धन्यवाद

वहीं, आम आदमी पार्टी के सांसद राघव चड्ढा ने 90 साल के दिग्गज कांग्रेस नेता को धन्यवाद दिया। उन्होंने ट्विटर पर लिखा, आज राज्यसभा में डॉ. मनमोहन सिंह ईमानदारी के प्रतीक के रूप में खड़े हुए और विशेष रूप से काले अध्यादेश के खिलाफ वोट करने आए। लोकतंत्र और संविधान के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता एक प्रेरणा है। उनके अमूल्य समर्थन के लिए मैं हृदय से उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

आप की मदद से होगी भाजपा साफ !

मोदी के गढ़ गुजरात में आम आदमी पार्टी लड़ेगी लोस चुनाव

» इंडिया के बैनर तले होगी लड़ाई

» मान-संजय-केजरीवाल सब घेरेंगे मोदी को

» सरकार की पोल खोलने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आने वाले समय में लोक सभा चुनाव 2024 का मुकाबला जबरदस्त होने के आसार हैं। जहां कांग्रेस राहुल गांधी की सांसदी बहाली के बाद पूरे तेवर आ गई है वहीं दिल्ली बिल के संसद में पास हो जाने के बाद आप भी पूरे आक्रामक मूड में है। इसी के मद्देनजर वह पूरे देश में जहां-जहां बीजेपी मजबूत है वहां उसको घेरने की रणनीति बना रही है। आप इसकी शुरुआत गुजरात से करेगी। वहं वहां पर इंडिया के बैनर तले मोदी के गढ़ में खलबली मचाने की तैयारी में है।

मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, यूपी हर जगह आप भाजपा को चुनौती देने की कोशिश करेगी। उसके बड़े नेता भी सभी मंचों से बीजेपी पर हमला करने का कोई भी मौका नही छोड़ना चाहते हैं। जैसे पंजाब में मान ने मोदी सरकार पर खूब तंज कसे तो सासंद संजय सिंह भी भाजपा की मोदी सरकार की कमियां गिनाने में पीछे नही हट रहे है। वहीं गुजरात में इसुदान गढ़वी ने कहा कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस यानी इंडिया का गठबंधन गुजरात में भी लागू है, हम गुजरात में भी पूरी सीटों की जांच कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी इंडिया से डरती है।

गुजरात में बीजेपी को झटका देने की तैयारी

बीजेपी को पता है कि 2024 में इंडिया एनडीए को हरा देगा। लोकसभा चुनाव से पहले गुजरात की राजनीति की सबसे बड़ी खबर सामने आई है। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने कहा है कि कांग्रेस और आम आदमी पार्टी गुजरात में लोकसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगी। लोकसभा चुनाव से पहले दोनों पार्टियां गठबंधन बनाएंगी। हालांकि, दूसरी ओर इसुदान गढ़वी के दावे को लेकर गुजरात कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि हमें अभी तक इस बारे में कोई जानकारी नहीं मिली है, गठबंधन को लेकर फैसला आलाकमान इसुदान गढ़वी ने कहा कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस यानी इंडियाा गठबंधन गुजरात में भी लागू है, हम गुजरात में भी पूरी सीटों की जांच कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी इंडिया से डरती है। बीजेपी को पता है कि 2024 में इंडियाएनडीए को हरा देगा। कांग्रेस-आप गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि यह गठबंधन गुजरात में भी लागू होगा। हम यहां भी गठबंधन में सीटें बांटकर लड़ने जा रहे हैं। अभी प्राथमिक स्तर पर है। आगे चलकर गुजरात में इन इंडिया गठबंधन से चुनाव लड़ा जाएगा। इस बार हम इतने दावे के साथ कहते हैं कि अगर हम इंडिया गठबंधन में व्यवस्थित तरीके सआपको बता दें कि 26 दल विपक्षी एकता के मंच पर हैं। विपक्षी एकता के गठबंधन को इंडिया का नाम दिया गया है। आम आदमी पार्टी केंद्र सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश का लगातार विरोध कर रही है। उसे कांग्रेस का भी समर्थन हासिल है। दूसरी ओर विपक्षी दलों का दावा है कि 450 सीटों पर साझा उम्मीदवार उतारने की बात चल रही है। अरविंद केजरीवाल के विपक्षी दलों के बैठक में लगातार शामिल हो रहे हैं इसुदान गढ़वी ने कहा कि आम आदमी पार्टी और कांग्रेस यानी इंडिया का गठबंधन गुजरात में भी लागू है, हम गुजरात में भी पूरी सीटों की जांच कर रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी इंडिया से डरती है। बीजेपी को पता है कि 2024 में इंडिया एनडीए को हरा देगा। कांग्रेस-आप गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि यह गठबंधन गुजरात में भी लागू होगा। हम यहां भी गठबंधन में सीटें बांटकर लड़ने जा रहे हैं। अभी प्राथमिक स्तर पर है। आगे चलकर गुजरात में इन इंडिया गठबंधन से चुनाव लड़ा जाएगा।

दिल्ली सेवा बिल पर बिफरे विपक्षी दल

दिल्ली सेवा बिल लोकसभा से पास हो चुका है । सोमवार को राज्य में भी इसपर चर्चा और मतदान के लिए पेश किया। फिलहाल इस बिल पर चर्चा हो रही है। कांग्रेस ने इस बिल को संविधान के खिलाफ बताया। साथ ही कांग्रेस ने कहा कि दिल्ली में सुपर सीएम बनाने की कोशिश हो रही है. वहीं आम आदमी पार्टी ने कहा कि इससे ज्यादा असंवैधानिक, गैर-कानूनी बिल शायद ही आज तक संसद में लाया गया होगा, इससे पहले, तीन अगस्त को लोकसभा ने इस बिल को हरी झंडी दे दी थी, बिल को लेकर एनडीए और इंडिया गठबंधन के सांसद लामबंद हैं, लेकिन बीजेडी, वाईएसआर कांग्रेस के समर्थन के बाद नंबर एनडीए के पक्ष में दिखाई दे रहे हैं, आपको बता दें कि बिल के पास होने के बाद दिल्ली में अधिकारियों की नियुक्ति और ट्रांसफर पर उपराज्यपाल का फैसला अंतिम माना जाएगा। वहीं दिल्ली सेवा बिल पर कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने चर्चा के दौरान कहा कि यह बिल एक सिविल सर्विसेज अथॉरिटी बनाता है और अधिकारियों की ट्रांसफर और पोस्टिंग में उसे व्यापक शक्तियां देता है, उन्होंने कहा कि कौन, किसी और कि सरकार में वित्त सचिव बनेगा, पीडब्ल्यूडी सेक्रेटरी बनेगा, यह रूल तय करेंगे. सिंघवी ने कहा कि इस अथॉरिटी में 3 व्यक्ति हैं - मुख्यमंत्री, चीफ सेक्रेटरी और प्रिंसिपल सेक्रेटरी. मुख्यमंत्री को अध्यक्ष बनाया गया है. ये अजीब सा अध्यक्ष है, एक चेयरमैन है बिना चेयर का. मैंने आज तक अपने सीमित अनुभव में नहीं देखा की एक इलेक्टेड चीफ एग्जीक्यूटिव दो सचिवों के नीचे आएगा। अभिषेक मनु सिंघवी ने दिल्ली सेवा बिल का समर्थन कर रहे गैर-एनडीए पार्टियों को लेकर कहा कि ये उनके लिए सोचने की बात है जो इस बिल का समर्थन कर रहे हैं या जिन्होंने इसके समर्थन की घोषणा की है. उन?होंने कहा कि आज जो सरकार के साथ हैं आपके साथ भी जल्द ही ऐसा ही हो सकता है. आपका भी नंबर आ सकता है. सिंघवी ने कहा कि यह बिल असंवैधानिक है, अलोकतांत्रिक है. यह संघवाद के सभी सिद्धांतों का उल्लंघन करता है।

हर बात के लिए हमें सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ रहा है कहां है लोकतंत्र : मान

चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री भगवंत मान से राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होने पर सवाल किया गया तो इस पर सीएम मान ने भाजपा सरकार को निशाने पर ले लिया। सीएम भगवंत मान ने कहा कि अगर हर बात के लिए हमें सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ रहा है तो लोकतंत्र कहां है फिर?सीएम भगवंत मान ने कहा कि क्रिकेट के मैच में डीआरएस आ गया है। फिर डीआरएस यानी सुप्रीम कोर्ट बताता है कि फैसला गलत हो गया। जीएसटी और आरडीएफ का पैसा हमारा पैसा है और उसे ही लेने के लिए हमें सुप्रीम कोर्ट जाना पड़ रहा है। केंद्र सरकार हमारा ही पैसा हमें वापस नहीं करती है। ग्रामीण विकास का पैसा लेने के लिए भी हम सुप्रीम कोर्ट गए हैं। मैं राहुल गांधी को बधाई दूंगा कि उनकी संसद सदस्यता फिर से बहाल हो गई है। राज्यसभा से आप सांसद संजय सिंह को निलंबित किए जाने पर सीएम भगवंत मान ने कहा कि संजय सिंह जी को सस्पेंड कर दिया। पांच मिनट नहीं लगाते। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 में सत्ता में आने से पहले छह महीने तक पूरी भाजपा संसद के वेल में थी। हम कहते हैं कि वेल में मत आओ। लोकसभा में कैसे बिल पास होता है? ध्वनि मत से बिल पास हो जाते हैं। सीएम मान ने आरोप लगाया कि दिल्ली का चपरासी भी बदलना हो तो प्रधानमंत्री से परमिशन लेनी होगी। यह सुप्रीम कोर्ट का भी फैसला नहीं मानते हैं। मान ने कहा कि अगर पंजाब नंबर वन बना तो देश नंबर वन बन जाएगा। पंजाब शांत रहेगा तो देश शांत रहेगा। सीएम ने कहा कि पंजाब का माहौल बहुत अच्छा है।

हम नहीं हारेंगे, संविधान की रवायतें हारेंगी : मनोज झा

आरजेडी नेता मनोज झा ने कहा कि आज हमारा नहीं संविधान का इम्तिहान है, आज अगर आंकड़े हमारे पक्ष में नहीं हैं तो हम नहीं हारेंगे, संविधान की रवायतें हार जाएंगी. आंकड़े अहम होते हैं लेकिन संविधान से ज्यादा नहीं है, आंकड़े तो किसान बिल के समय भी थे लेकिन आप हार गए, आपको माफी मांग कर वापस लेने पड़े कानून यह ताकत होती है संवैधानिक मूल्य की. आप बुलडोज करके बिल पास करवा सकते हैं लेकिन लोग उसको आत्मसात कर लें यह जरूरी नहीं।- बीजू जनता दल (बीजद) तथा युवजन श्रमिक रायतु कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) ने विधेयक पर सरकार को अपना समर्थन देने का वादा किया है।

बिल एक राजनीतिक धोखा है : राघव चड्ढा

दिल्ली सेवा बिल को लेकर आम आदमी पार्टी सबसे ज्यादा मुखर है, राज्यसभा में बिल पर चर्चा के दौरान आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि इससे ज्यादा असंवैधानिक, गैर-कानूनी बिल शायद ही आज तक संसद में लाया गया होगा। राघव चड्ढा ने कहा कि हम न्याय की गुहार लगाने आये हैं, आपने हक से ज्यादा मांगने नहीं आये हैं। यह बिल एक राजनीतिक धोखा है। उन्होंने इसे एक संवैधानिक पाप बताया और कहा कि ये दिल्ली में एक प्रशासनिक गतिरोध खडा कर देगा। राघव चड्ढा ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी ने दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए 1977 से 2015 तक करीब 40 साल तक आंदोलन किया। 1989 में बीजेपी के लोकसभा मैनिफेस्टो में ये मांग शामिल थी, 1999 में बीजेपी ने मैनिफेस्टो में फिर कहा कि दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाएंगे,उन्होंने कहा कि पूर्व उप-प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी इस सदन में दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दिलाने के लिए एक बिल लाए थ उन्होंने कहा कि मैं अमित शाह जी से कहूंगा कि आप दिल्ली को पूर्ण राज्य का दर्जा दीजिए।

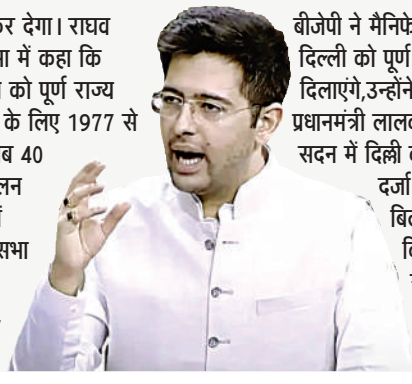

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

नहीं होना चाहिए निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन

लोकसभा में सोमवार को डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) विधेयक, 2023 पारित हो गया। इससे पहले तीन अगस्त को लोकसभा में डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक, 2023 पेश किया गया था। विधेयक पेश किए जाते ही विपक्षी सदस्यों द्वारा इसका विरोध किया जाने लगा। विपक्ष का कहना है कि यह विधेयक निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है।

डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन बिल लोकसभा में पास हो गया। अब इसके आधार पर कोई भी कंपनी किसी की निजी जानकारी को शेयर नहीं कर पाएगी। हालांकि इस बिल का विपक्षी दलों ने विरोध किया है। विपक्ष का कह रहा इसकी वजह आरटीआई कानून प्रभावित होगा हालांकि सरकार ने है कि इस तरह की बातें निराधार है। लोकसभा में सोमवार को डिजिटल पर्सनल डाटा प्रोटेक्शन (डीपीडीपी) विधेयक, 2023 पारित हो गया। इससे पहले तीन अगस्त को लोकसभा में डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक, 2023 पेश किया गया था। विधेयक पेश किए जाते ही विपक्षी सदस्यों द्वारा इसका विरोध किया जाने लगा। विपक्ष का कहना है कि यह विधेयक निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करता है। यह विधेयक एक तरीके से डिजिटल व्यक्तिगत डाटा के प्रसंस्करण का प्रावधान करता है। यह व्यक्तियों के अपने व्यक्तिगत डाटा की सुरक्षा के अधिकार और वैध उद्देश्यों के लिए ऐसे व्यक्तिगत डाटा को संसाधित करने की आवश्यकता को मान्यता देता है।

केंद्र सरकार ने पिछले साल डाटा संरक्षण पर एक विधेयक वापस ले लिया था। इसे विभिन्न एजेंसियों की प्रतिक्रिया के मद्देनजर वापस लिया गया था। इसके बाद 18 नवंबर, 2022 को सरकार ने डिजिटल व्यक्तिगत डाटा संरक्षण विधेयक- 2022 नामक एक नया मसौदा विधेयक प्रकाशित किया और इस मसौदे पर सार्वजनिक परामर्श शुरू किया। इससे जनता, सेक्टर संगठनों, संघों और उद्योग निकायों और भारत सरकार के 38 मंत्रालयों या विभागों से सुझाव और टिप्पणियां प्राप्त हुईं।अगर किसी कंपनी द्वारा यूजर्स का डाटा लीक किया जाता है और कंपनी द्वारा ये नियम तोड़ा जाता है तो उसपर 250 करोड़ रुपए तक का जुर्माना भी लगाया जा सकता है। यह कानून लागू होने के बाद लोगों को अपने डाटा कलेक्शन, स्टोरेज और उसके प्रोसेसिंग के बारे में डिटेल मांगने का अधिकार मिल जाएगा। विवाद की स्थिति को लेकर भी इसमें प्रावधान किया गया है। अगर कोई विवाद होता है तो इस स्थिति में डाटा प्रोटेक्शन बोर्ड फैसला करेगा। नागरिकों को सिविल कोर्ट में जाकर मुआवजे का दावा करने का अधिकार होगा। ड्राफ्ट में ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह का डाटा शामिल हैं, जिसे बाद में डिजिटाइज किया गया हो। अगर विदेश से भारतीयों की प्रोफाइलिंग की जा रही है या गुड्स और सर्विस दी जा रही हों तो यह उस पर भी लागू होगा। इस बिल के तहत पर्सनल डाटा तभी प्रोसेस हो सकता है, जब इसके लिए सहमति दी गई हो। संसद द्वारा पारित होने के बाद यह विधेयक सभी नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दवाओं की गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली लागू करें

टीके अरुण

वर्तमान में आर्थिक नीतियां बनाने वालों के लिए आमतौर पर लाइसेंस शब्द को खराब माना जाता है। फिर भी, मुक्त बाजार के पैरोकारों की संभावित आलोचनाओं के जोखिम पर सरकार को दवा निर्यात में लाइसेंस लेने को अनिवार्य अवश्य बनाना चाहिए। भारत ने 'विश्व का दवाखाना' खिताब अर्जित करके अच्छा नाम कमाया है लिहाजा दूसरे देशों को दवा निर्यात करने वाली कंपनियों को मनचाहा करने की छूट से इस साख को काफी नुकसान होने का अंदेशा मंडरा रहा है। 28 जुलाई को ब्लूमबर्ग ने रिपोर्ट में बताया था कि चेन्नई स्थित एक कंपनी द्वारा इराक को भेजी 'कोल्ड आउट' नामक खांसी सिरप के सैम्पल में स्वीकार्य मात्रा से 21 गुणा ज्यादा इथाइल ग्लाइकॉल पाया गया। यह परीक्षण अमेरिका की भरोसेमंद और विश्व स्वास्थ्य संगठन की मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला में किया गया।

इससे पहले पिछले साल आई खबरों में, भारत में बनी खांसी सिरप से गाम्बिया और उजबेकिस्तान में बच्चों की मौत होने के आरोप लगे थे। इस साल अप्रैल माह में, ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के अनुसार विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मार्शल आइलैंड और माइक्रोनेशिया में खांसी की दवा के संदिग्ध सैम्पल पाए थे। यह सिरप भी एक भारतीय कंपनी का उत्पाद था। इसमें डाई-इथाइलीन ग्लाइकॉल और इथाइलीन ग्लाइकॉल नामक विषैले तत्व पाए गए, जो इंसानी शरीर के लिए घातक हैं। एक अगस्त को ब्लूमबर्ग की एक अन्य रिपोर्ट में बताया गया कि एक भारतीय दवा निर्माता ने घटिया गुणवत्ता वाली गर्भपात गोलियां एक गैर-सरकारी संगठन को बेचीं, जिसने आगे दुनियाभर में इन्हें बांटा। पिछले कुछ वक्त से भारतीय दवा निर्यातकों की ऐसी आपराधिक लापरवाही के अनेक मामले हैं जिनके परिणामवश गाम्बिया, इंडोनेशिया और उजबेकिस्तान में मौत होने के आरोप हैं और विश्व के अन्य हिस्सों के उपभोक्ताओं की निगाह में भारतीय दवाओं पर भरोसा टूटा। भारत अपने दवा उद्योग की साख को इस तरह बट्टा लगते जाना गवारा नहीं कर सकता।

भारतीय दवाओं को अफ्रीका में एड्स की सस्ती दवाओं से करोड़ों लोगों की जान बचाने के लिए याद रखा जाएगा। अन्य अंतर्राष्ट्रीय दवा निर्माताओं के मुकाबले भारतीय दवाओं की कीमत इतनी कम थी कि उनको भी जनाक्रोश के सामने झुककर अपनी दवाओं का मूल्य भारतीय दवाओं के स्तर पर लाना पड़ा। इस तरह अफ्रीका का आम इंसान

हो या किसी देश का राष्ट्रीय स्वास्थ्य तंत्र, सबके लिए दवाएं वहन योग्य बनीं। विश्व का सकल दवा बाजार कई ट्रिलियन डॉलर का है। जबकि नवीनतम आंकड़ों के अनुसार भारत से दवा निर्यात लगभग 25 बिलियन डॉलर सालाना है। जितने मूल्य का व्यापार भारतीय दवा कंपनियां करने की संभावना रखती हैं, उसके बरअक्स यह आंकड़ा केवल सतह खुरचने जैसा है। अकेले जेनेरिक दवा उद्योग आसानी से 10 गुणा बढ़ सकता है, रोजगार पैदा कर सकता है और इतना टैक्स और पुनर्निवेशीकृत मुनाफा बन सकता है, जिसका मुकाबला आईटी उद्योग से इतर और कोई क्षेत्र नहीं कर पाएगा। आर्थिक रूप से मजबूत जेनेरिक दवा उद्योग नए मॉलिक्यूल्स के अनुसंधान एवं विकास के लिए निवेश कर सकता है और जेनेटिक दवाएं, सिंथेटिक बायोलॉजी एवं नूतन वैक्सीन के क्षेत्र में दाखिल हो सकता है। लेकिन इन तमाम संभावनाओं पर कुछ छोटे दवा निर्यातकों द्वारा बाजार में घटिया दवाएं उतारने और इन्हें बनाने में जो घटिया मूल सॉल्ट वे आयात करते हैं उसकी निगरानी तंत्र कमजोर होने की वजह से पानी फिर जाता है। यह तुरंत बंद होना चाहिए। भारत को दवा उत्पादन प्रक्रिया और अंतिम उत्पाद के लिए कड़ी गुणवत्ता नियंत्रण प्रणाली को अनिवार्य करना होगा। एक बड़ी समस्या यह है कि गुणवत्ता का पैमाना राज्य से राज्य के बीच भिन्न है। इसको बदलना होगा और सभी सूबों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के लिए एक समान गुणवत्ता और संहिता होनी चाहिए। बेशक ठेके पर दवा उत्पादक इकाई बनाना, मूल्य संवर्धन के सबसे तेज तरीकों में एक है और इसको रोकने की बजाय बढ़ावा देना चाहिए, लेकिन भारतीय दवा उद्योग तंत्र के परिप्रेक्ष्य में दवा निर्यात में 'खुली छूट' वाला रवैया अपनाने की भी कोई वजह नहीं है।

भारत में लगभग 3000 दवा निर्माता और 10,000 उत्पादन इकाइयां हैं, जिन्होंने वर्ष 2021 में कुल मिलाकर 3.36 करोड़ रुपये मूल्य की दवाओं का उत्पादन किया। इसमें 75 फीसदी अंश चोटी की 50 कंपनियों का रहा। अर्थात शेष प्रत्येक कंपनी की औसत बिक्री लगभग 85 करोड़ रुपये थी। इनमें कुछ भविष्य की 'सिप्ला' या 'सन फार्मा' हैं तो कुछेक वह भी, जो घटिया दवाएं बनाती हैं और जिनके लिए कहा जाता है कि सजा का प्रावधान नर्म करके जेल की बजाय जुर्माना भरना बनाया गया है।

नियमित संवाद से निखरता है व्यक्तित्व

रेनू सैनी

आज शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जो मोबाइल के बिना अपने जीवन की कल्पना कर पाए। लेकिन किसी भी चीज का आविष्कार तभी तक सुकून देता है जब वह तन-मन को शांति प्रदान करे। यदि यह शांति अशांति में बदल जाए तो सुख-चैन, जीना सब कुछ दुष्कर हो जाता है। मोबाइल ने जहां जीवन को बेहद सुगम बना दिया है, वहीं इसने संबंधों और भावनाओं को भी उपेक्षित कर दिया है। यही कारण है कि आज लगभग परिवार में कई सदस्य ऐसे हैं जिन्हें फबिंग की आदत है। आप यही सोच रहे होंगे न कि भला यह फबिंग क्या बला है? फबिंग की आदत मोबाइल से जुड़ी हुई है। यह एक ऐसा शब्द है जो स्मार्टफोन की लत से जुड़ा है। वे लोग जो अपने मित्रों, परिवार और समाज में बैठे लोगों के बीच में भी फोन पर ज्यादा ध्यान देते हैं, यह शब्द उनके लिए प्रयोग किया जाता है।

दरअसल, फबिंग शब्द फोन और स्नबिंग शब्दों को मिलाकर बनाया गया है। इसका अर्थ किसी व्यक्ति द्वारा किसी इंसान से बातचीत करने के बजाय उसके समक्ष अपने फोन में ज्यादा लगे रहने से है। या आपके साथ ऐसा कभी होता है कि घर में कोई महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा चल रही है, कक्षा में महत्वपूर्ण पाठ पढ़ाया जा रहा है, कार्यालय में जरूरी फाइल पर विमर्श हो रहा है और आप चुपके-चुपके अपने फोन पर ध्यान गढ़ाए हुए हैं। एक सर्वे के अनुसार, 'लगभग 32 प्रतिशत लोग दिन में कम से कम तीन से चार बार फबिंग करते हैं।' फबिंग की यह आदत जहां व्यक्तियों को सामान्य वार्तालाप से काट देती है, वहीं उन्हें अकेलेपन का शिकार भी बना देती है। धीरे-धीरे आसपास के लोगों को यही लगने लगता है कि मोबाइल में लगे व्यक्ति को मोबाइल की सूचनाओं के अलावा जीवंत व्यक्ति की बातों और कार्यों में कोई दिलचस्पी नहीं है। इसलिए वे उससे दूर रहने लगते हैं। फबिंग में लगे व्यक्ति को यह बात तब समझ आती है जब सर से पानी गुजर चुका होता है लेकिन अफसोस कई बार फिर से पुराने संबंधों में पहले जैसी गर्मजोशी लाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए समय रहते फबिंग की लत से स्वयं को बचाना ही श्रेष्ठ उपाय है। आखिर यह पता कैसे चले कि व्यक्ति को फबिंग की लत है। यदि किसी भी व्यक्ति के अंदर निम्न लक्षण नजर आएं तो समझ लीजिए कि उसके अंदर फबिंग की लत घर कर चुकी है:-

परिवार, मित्रों या संबंधियों के बीच बैठकर भोजन करते समय स्मार्टफोन का बार-बार इस्तेमाल करना। किसी व्यक्ति, मीटिंग या समारोह में होने पर भी बार-बार फोन चेक करना। लगभग हर जगह यहां तक कि बाथरूम में भी फोन को अपने साथ रखना। रात्रि को बिस्तर में जाते वक्त तब तक फोन में लगे रहना जब तक नींद न आने लगे। पढ़ते-लिखते या ऑफिस के जरूरी कार्य करते समय भी बार-बार फोन चेक करना। उपरोक्त लक्षण फबिंग की आदत को पुख्ता करते हैं। अच्छी आदतें जहां जीवन को सुगम बना देती हैं, वहीं बुरी आदतें व्यक्ति के जीवन को दुर्गम बना देती हैं। ये बुरी आदतें धीरे-धीरे लत में बदल जाती हैं। फबिंग शब्द का प्रयोग पहले पश्चिमी देशों में उनके लिए इस्तेमाल किया जाता था जो स्मार्टफोन के लिए अपने पार्टनर को नजरअंदाज करते थे। इस शब्द को वर्ष 2012 में ऑस्ट्रेलिया की विज्ञापन एंजेसी मैक्केन ने गढ़ा था। उन्होंने शब्दकोश की बिक्री बढ़ाने के लिए शुरू किए एक कैम्पेन में इसका प्रयोग किया था और कहा था, 'स्टॉप फबिंग।'

फबिंग की ये आदत धीरे-धीरे व्यक्ति के अंदर मानसिक विकार भर देती है। ऐसे लोग अकेलेपन, अवसाद, चिंता और नींद न आने की समस्या से ग्रस्त हो सकते हैं। प्रारंभ में अकेलापन, अवसाद, चिंता और नींद महसूस नहीं होते लेकिन जब ये व्यक्ति की प्रतिदिन की दिनचर्या का अंग बन जाते हैं तो जीना मुश्किल हो जाता है। अक्सर लोग एक-दूसरे से कहते हुए भी मिल जाते हैं कि मोबाइल एक ऐसा डिवाइस है जो व्यक्ति को अकेलापन महसूस नहीं होने देता। आज मोबाइल के अंदर अनेक ऐसे लुभावने एप हैं जिन पर छोटे-छोटे वीडियो व्यक्ति का अच्छा-खासा मनोरंजन करते हैं। ऐसे में जब एक बार इन एप को देखना प्रारंभ करते हैं तो एक-दो घंटे कब व्यतीत हो जाते हैं पता ही नहीं चलता। प्रत्येक गजट और डिवाइस हमारे प्रयोग के लिए हैं, हमारे साधन हैं, साध्य नहीं। यदि ऐसे डिवाइस जीवन का साध्य बन जाते हैं तो व्यक्ति का गर्त में जाना तय है। इसलिए समय रहते फबिंग की आदत पर लगाम दें। अपने जीवन में शामिल परिवार, मित्रों, संबंधियों का स्थान मोबाइल को कदापि न लेने दें। यदि संभव हो तो परिवार और मित्रों के साथ होते हुए फोन का कम से कम प्रयोग करें। अधिक से अधिक संवाद करें। कुछ समय बाद ही आप सकारात्मक परिणाम पाएंगे और कभी भी अकेलेपन या अवसाद का शिकार नहीं होंगे। सुप्रसिद्ध लेखक ब्रायन ट्रेसी का कहना है कि, 'संवाद एक ऐसी योग्यता है जो साइकिल चलाने या टाइपिंग करने जैसी होती है। अगर आप इस पर मेहनत करने के इच्छुक हैं तो आप अपने जीवन के हर पहलू की गुणवत्ता को तेजी से सुधार सकते हैं।'

नि:संदेह, लोगों से संवाद की आदत आपके व्यक्तित्व के हर पहलू को निखारती है और फोन में लगे रहने की लत आपको बिगाड़ती है।

मानसून में तैयार करें सुरक्षात्मक ढाल

एलर्जी और संक्रमण का है खतरा

मानसून के दिनों में तेज बारिश और बार-बार तापमान में होते बदलाव के कारण कई प्रकार की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। यह परिस्थितियां कई प्रकार की एलर्जी और संक्रामक बीमारियों के जोखिमों को भी बढ़ाने वाली हो सकती हैं। नम वातावरण में सबसे ज्यादा जोखिम बैक्टीरिया-फंगल संक्रमण का होता है और इसके सबसे ज्यादा शिकार वे लोग होते हैं जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। यही कारण है कि सभी लोगों को बरसात के मौसम में उन उपायों को करने की सलाह दी जाती है जिससे शरीर की इम्युनिटी को बढ़ाया जा सके। आप इसके लिए आहार में कुछ बदलाव करके शरीर के लिए सुरक्षात्मक ढाल तैयार कर सकते हैं, जो रोगजनकों के कारण होने वाले जोखिमों से आपको बचाने में मददगार हैं।

दालचीनी और लौंग-काली मिर्च से बना पिएं काढ़ा

काढ़ा आपके प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने का सबसे कारगर पेय है। बरसात के दिनों में चूंकि संक्रामक रोगों का खतरा काफी बढ़ जाता है इसलिए काढ़ा का सेवन करके आप लाभ पा सकते हैं। लौंग-काली मिर्च और दालचीनी के साथ तुलसी के पत्ते से तैयार काढ़ा गले के खराश, रोग जनकों के दुष्प्रभाव को कम करने में आपके लिए सहायक है। इन मसालों में मौजूद पोषक तत्व बीमारियों से लड़ने के लिए आपकी शरीर को शक्ति प्रदान करते हैं।

फलों का करें सेवन

मानसून के दिनों में फलों के सेवन को बढ़ाना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। विशेषतौर पर इन दिनों में आम भरपूर मात्रा में उपलब्ध होते हैं, जिससे शरीर को कई प्रकार से स्वास्थ्य लाभ मिल सकता है। आम, विटामिन-सी का बेहतर स्रोत है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है। आम खाने से आयरन के अवशोषण में सुधार होता है और कोशिकाओं को क्षति से बचाने के साथ प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए इसे काफी लाभकारी फल माना जाता है।

रात में पिएं हल्दी वाला दूध

गर्म दूध में एक चुटकी हल्दी मिलाकर इसका सेवन करना आपके लिए बहुत लाभकारी है। हल्दी में करक्यूमिन नामक यौगिक पाया जाता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती देने में बहुत लाभकारी है। दूध में हल्दी मिलाकर इसका सेवन करने से और भी लाभ हो सकते हैं। ये न सिर्फ आपको रात में अच्छी नींद लेने में मदद करती है साथ ही शरीर के दर्द और थकान को कम करने और इम्युनिटी को मजबूती देने में भी इसके लाभ हैं।

गुनगुने पानी का करें सेवन

बरसात के इस मौसम में दूषित जल के कारण पेट से संबंधित कई बीमारियों के विकसित होने का खतरा भी रहता है। इससे बचाव के लिए पानी को गरम करें और फिर छानकर ठंडा करके ही सेवन करें। इसके अलावा सुबह गुनगुना पानी पीने से प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने के साथ मौसम में बदलाव के कारण एलर्जी और गले के संक्रमण को कम करने में भी इससे लाभ पाया जा सकता है।

हंसना मना है

दुकानदार- बताइए जनाब क्या चाहिए? राहुल-अपने होने वाली बीवी के कुत्ते के लिए केक चाहिए, दुकानदार-यहीं खाओगे या पैक कर दूं?

लड़का- मां दिवाली आने वाली है, इस बार पटाखे इस दुकान से लुंगा! मां-हरामजादे, ये पटाखों की दुकान नहीं लड़कियों का हॉस्टल है, लड़का- मुझे क्या पता, एक दिन पापा कह रहे थे कि यहां एक से एक धांसु पटाखे हैं?

एक कंजूस बनिया के लड़के को बनिया की लड़की से प्रेम हो गया, बनिया लड़की- जब पिताजी सो जाएगें, तो मैं गली मे सिक्का फेंकुंगी, आवाज सुनकर तुरन्त अन्दर आ जाना, लेकिन लड़का सिक्का फेंकनें के एक घन्टे बाद आया, लड़की- इतनी देर क्यों लगा दी, लड़का-वो मैं सिक्का ढूंढ रहा था, लड़की- अरे पागल वो तो धागा बांधकर फेंका था, वापस खिच लिया।

चचा वोट डालकर बाहर आए, और पोलिंग एजेंट से पूछा-तेरी चाची वोट डाल गई क्या? एजेंट ने लिस्ट चेक कर के कहा- जी चचा वह वोट डाल गई! चचा भरे गले से बोले- जल्दी आता तो शायद मिल जाती! पोलिंग एजेंट- क्यों चाचा आप साथ नही रहते? चाचा-बेटा उसे मरे हुए 15 साल हो गए, हर बार वोट डालने आती है पर मिलती नहीं!

कहानी | बहरा मेंडक

एक तालाब में बहुत सारे मेंढक रहते थे। उस तालाब के ठीक बीचोंबीच एक बडा-सा लोहे का खम्बा वहां के राजा ने लगवाया हुआ था। एक दिन तालाब के मेंढको ने निश्चय किया कि क्यों ना इस खम्भे पर चढ़ने के लिए रेस लगाई जाये, जो भी इस खंभे पर चढ़ जायेगा, उसको प्रतियोगिता का विजेता माना जायेगा। कुछ दिनों बाद रेस का दिन आ गया। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वहां कई मेढ़क एकत्रित हुए, पास के तालाब से भी कई मेंढ़क रेस में हिस्सा लेने के लिए पहुंचे हुए थे, और प्रतियोगिता को देखने के लिए भी बहुत सारे मेंढ़क वहां एकत्रित हुए। रेस का आरंभ हुआ, चारों ओर शोर ही शोर था। सब उस लोहे के बड़े से खम्भे को देख कर कहने लगे अरे इस पर चढ़ना नामुमकिन है इसे तो कोई भी नहीं कर पायेगा। इस खम्भे पर तो चढ़ा ही नहीं जा सकता। कभी कोई यह रेस पूरी नहीं कर पाएगा, और ऐसा हो भी रहा था, जो भी मेढ़क खम्भे पर चढ़ने का प्रयास करता, वो खम्भे के चिकने एवं काफी ऊंचा होने के कारण थोड़ा सा ऊपर जाकर नीचे गिर जाता। बार बार कोशिश करने के बाद भी कोई ऊपर खम्भे पर नहीं पहुंच पा रहा था। अब तक काफी मेंढ़क हार मान गए थे, और कई मेंढ़क गिरने के बाद भी अपनी कोशिश जारी रखे हुए थे। इसके साथ-साथ अभी भी रेस देखने आए मेंढक जोर-जोर से चिल्लाए जा रहे थे अरे यह नहीं हो सकता। यह असंभव है कोई इतने ऊंचे खम्भे पर चढ़ ही नहीं सकता। आदि, और ऐसा बार बार सुन सुन कर काफी मेंढक हार मान बैठे और उन्होंने भी प्रयास करना छोड़ दिया। और अब वो भी उन मेंढको का साथ देने लगे जो जोर-जोर से चिल्लाने लगे। लेकिन उन्ही मे से एक छोटा मेंढक लगातार कोशिश करने के कारण खम्भे पर जा पंहुचा, हालांकि वो भी काफी बार गिरा, उठा, प्रयास किया तब कही जाकर वो सफलता पूर्वक खम्भे पर पहुंचा। और रेस का विजेता घोषित किया गया। उसको विजेता देखकर, मेढ़को ने उसकी सफलता का कारण पूछा की यह असंभव कार्य तुमने कैसे किया, यह तो नामुमकिन था, यहां सफलता कैसे प्राप्त की, कृपया हमे भी बताए। तभी पीछे से एक मेंढ़क की आवाज़ आयी अरे उससे क्या पूछते हो वो तो बहरा है। फिर भी मेढको ने विजेता मेंढक से पता करने के लिए एक ऐसे मेढक की मदद ली, जो उसकी सफलता का कारण जान सके, विजेता मेंढक ने बताया की मैं बहरा हूं। मुझे सुनाई नही देता, लेकिन जब आप लोग जोर-जोर से चिल्ला रहे थे, तो मुझे लगा जैसे आप मुझसे कह रहे हो की यह तुम कर सकते हो, यह तुम्हारे लिए मुमकिन है इन्ही शब्दों ने मुझे सफलता दिलाई है।

7 अंतर खोजें

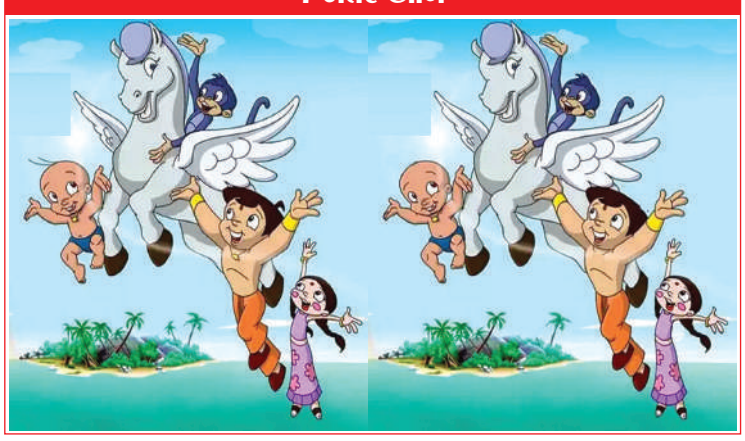

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य की प्रशंसा होगी। प्रसन्नता तथा संतुष्टि रहेगी। यात्रा मनोरंजक हो सकती है। व्यापार-व्यवसाय में नए प्रयोग किए जा सकते हैं।

वृषभ विवाद को बढ़ावा न दें। बेवजह कहासुनी हो सकती है। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। थकान व कमजोरी रह सकते हैं। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

मिथुन मित्रों का सहयोग करने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा।

कर्क आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों व संबंधियों से मुलाकात होगी। कारोबार में अनुकूलता रहेगी।

सिंह बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। नवीन वस्त्राभूषण की प्राप्ति हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें।

कन्या स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें। फालतू खर्च होगा। कर्ज लेना पड़ सकता है।

तुला यात्रा मनोनुकूल रहेगी। नया काम मिलेगा। नए अनुबंध होंगे। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

वृश्चिक कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन हो सकता है। योजना फलीभूत होगी। तत्काल लाभ नहीं होगा। निवेश में जल्दबाजी न करें। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

धनु अध्यात्म में रुझान रहेगा। सत्संग का लाभ प्राप्त होगा। राजकीय बाधा दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आसपास का वातावरण सुखद रहेगा।

मकर स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि की आशंका बनती है, सावधानी आवश्यक है।

कुम्भ कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन भूमि-भवन व मकान-दुकान इत्यादि की खरीद-फरोख्त मनोनुकूल लाभ देगी। बेरोजगारी दूर होगी। आय के नए स्रोत प्राप्त हो सकते हैं।

लता दीदी और पद्मिनी कोल्हापुरी की बायोपिक में काम करना चाहती हैं श्रद्धा

लता मंगेशकर की नातिन हैं श्रद्धा कपूर

श्रद्धा कपूर हाल में ही तू झूठी मैं मक्कार में दिखाई दी थीं। एक्ट्रेस ने साल 2010 में तीन पत्ती से बॉलीवुड डेब्यू किया था। रोमांटिक और इवेंट बेस्ड फिल्में कर चुकीं एक्ट्रेस ने बायोपिक में लीड रोल तक निभाया है। बता दें कि अब श्रद्धा कपूर ने दो दिग्गज कलाकारों के नाम लेकर पर्दे पर उनका रोल निभाने की ख्वाहिश जाहिर की है। कौन है वे चलिए बताते हैं। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो एक इवेंट में फैन ने एक्ट्रेस से बायोपिक को लेकर सवाल किया था। फैन ने पूछा कि श्रद्धा कपूर किस दिग्गज पर्सनैलिटी की बायोपिक में काम करना चाहेंगी। तभी भीड़ में से किसी ने पद्मिनी कोल्हापुरी का नाम सजेस्ट किया। इसपर एक्ट्रेस ने कहा कि हां वे अपनी मौसी पद्मिनी कोल्हापुरी का किरदार निभाना चाहती हैं। इसके अलावा वे भारत के स्वर कोकिला लता मंगेशकर के रोल में भी दिखना पसंद करेंगी।

श्रद्धा कपूर ने बताया कि, मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छा सुझाव है और पद्मिनी कोल्हापुरी मेरी हैं मौसी, वैसे भी, मैं लता मंगेशकर भी कहना चाहूंगी।.. मेरा मतलब है, यह एक बहुत बड़ा लक्ष्य है, तो यह मेरी मासी और लता मंगेशकर जी हैं दिवंगत सिंगर लता मंगेशकर और श्रद्धा कपूर का आपस में गहरा रिश्ता है। श्रद्धा की मां शिवांगी लता मंगेशकर की भतीजी हैं। इस तरह श्रद्धा लता जी की नातिन लगती हैं।

बॉलीवुड | मसाला

निराश लोग ही करते हैं नेपोटिज्म की बातें : सनी

गदर 2 के प्रमोशन में बिजी सनी देओल इन दिनों लाइम लाइट में छाए हुए हैं। तारा सिंह बनकर एक बार फिर वह बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी करने को पूरी तरह से तैयार है। सनी ने अब बॉलीवुड में भाई-भतीजीवाद पर होने वाली कॉन्ट्रोवर्सी पर अपनी बात कही है। क्या कुछ कहा एक्टर ने चलिए आपको बताते हैं।

हाल में एक मीडिया इंटरव्यू में जब सनी देओल से नेपोटिज्म के बारे में सवाल पूछा गया, तो एक्टर ने कहा, ये सब सोच ऐसे लोग फैलाते हैं, जो निराश होते हैं और ये नहीं समझते कि बाप अपने बेटे के लिए कर रहा है ना...कौनसी फैमिली है जो अपने बच्चों के लिए नहीं करती? और जो अपने बेटे के लिए करना चाहता है, तो उसमें बुरा क्या है? लेकिन कामयाब वहीं होगा जो टैलेंटेड होगा। सनी देओल ने अपनी बात आगे बढ़ाते हुए कहा, मेरे पिता मुझे एक्टर बनाने के लिए तैयार नहीं थे, मैं अपने बेटों को एक्टर बनाने के बारे में नहीं सोच रहा था। पापा इतने बड़े आइकन हैं और मैंने अपनी पहचान बनाई और मैं यहां हूं। मैं अपने पिता की तरह नहीं हूं, लेकिन हम काफी हद तक एक जैसे हैं।

इस दिन रिलीज हो रही है गदर

सनी देओल की फिल्म गदर उस समय की बॉलीवुड की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म थी। जिसने हर किसी को अपना मुरीद बना लिया है।अब लगभग 2 दशक बाद अब गदर 2 से तारा सिंह और सकीना की वापसी हो रही है। अनिल शर्मा के निर्देशन में बनी ये फिल्म 11 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

बॉलीवुड | हॉट लुक

मुझे लोगों को हंसाने से ज्यादा रुलाना पसंद है : कार्तिक आर्यन

कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म सत्यप्रेम की कथा की सक्सेस एंजॉय कर रहे हैं। वहीं वह अपकमिंग फिल्म चंदू चैंपियन की शूटिंग में भी कर रहे हैं। फिल्म के लुक सामने आ चुका हैं। हाल ही में कार्तिक आर्यन इन दिनों अपनी फिल्म सत्यप्रेम की कथा की सक्सेस एंजॉय कर रहे हैं। वहीं वह अपकमिंग फिल्म चंदू चैंपियन की शूटिंग में भी कर रहे हैं। फिल्म के लुक सामने आ चुका हैं। हाल ही में एक्टर ने एक इंटरव्यू में अपनी फिल्म के किरदार को लेकर खुलकर बात की है। मीडिया को दिए इंटरव्यू में कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन में अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की है। एक्टर ने कहा कि, फिल्म में मेरा वजन में आपको बढ़ा हुआ दिखने वाला है। इसके लिए मैंने 2 महीने में अपना वजन बढ़ाया है। इस दौरान उन्होंने ये भी कहा कि, लंदन में उन्होंने तेज बुखार के बावजूद ठंडे पानी में कई सीन शूट किए हैं। शूटिंग से पहले उन्होंने बुखार की कई सारी दवाई भी खाई थी। एक्टर ने सत्यप्रेम की कथा की बात भी की। उन्होंने कहा कि मुझे किसी फिल्म में लोगों को हंसाने से ज्यादा रुलाना पसंद है। अगर आप आप सोनू के टीटू की स्वीटी देखते हैं, तो फिल्म के पहले 30-40 मिनट ड्रामा हैं। जिसमें दोस्तों के बीच की प्योर भावनाएं हैं। आप फिल्म की भावनाओं या ड्रामा पर उतना ध्यान नहीं देते जितना कॉमेडी पर। चाहे वह लुका छुपी जैसी हो, जिसमें इमोशनल सीन्स पर भी कॉमेडी हावी हो गई थी, लेकिन 'सत्य प्रेम की कथा' के साथ ऐसा नहीं हुआ। वर्कफ्रंट की बात करें तो कार्तिक आर्यन हाल में ही सत्य प्रेम की कथा में दिखाई दिए थे। फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला। अब एक्टर चंदू चैंपियन के अलावा आशिकी-3 और भूल भुलैया-3 सहित कई दिलचस्प प्रोजेक्ट में दिखने वाले हैं, जिनकी घोषणा होनी अभी बाकी है।

गजब की नौकरी! हर रोज चार घंटे गेम खेलने के हर हफ्ते मिलते हैं 3.5 लाख

दुनिया में आपने एक से एक अजीबोगरीब जॉब सुनी होंगी, लेकिन यह नौकरी जबरदस्त है। अगर आपको गेम खेलने का शौक है तो आपके लिए सबसे अच्छी नौकरी और सैलरी की तो पूछो ही मत। हर हफ्ते में 3.5 लाख रुपये मिलेंगे। काम सिर्फ इतना है कि आपको दफ्तर में आकर सिर्फ गेम खेलना है और वह भी हफ्ते में सिर्फ चार दिन। पूरा दिन भी नहीं खेला, सिर्फ 4 घंटे आपको गेम खेलने के लिए बिताना होगा। क्यों है न ड्रीम जॉब। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, ग्लोबल टॉय और एंटरटेनमेंट कंपनी मैटल अपने पहले चीफ यूएनओ प्लेयर की तलाश कर रही है। इसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। अगर आप यूएनओ प्रेमी हैं तो आपके लिए सुनहरा मौका होगा। काम सिर्फ इतना होगा कि आपको यूएनओ व?वाट्रो खेलना होगा और प्रशंसकों को इसके नियमों के बारे में बताना होगा। इसके लिए कंपनी हर हफ्ते 4444 डॉलर का भुगतान करेगी। जो भी इसके लिए चुना जाएगा वह न्यूयॉर्क के पियर 17 दफ्तर से काम करेगा। कंपनी ने इस पद के लिए कुछ योग्यताएं तय की हैं। जैसे शख्स का व्यवहार मिलनसार होना चाहिए। और सबसे खास बात उसे न सिर्फ यूएनओ आना चाहिए बल्कि जुनून की हद तक लगाव भी होना चाहिए। इस दौरान उसे कई अजनबी लोगों से संपर्क करना होगा। उन्हें गेम खेलने के लिए बुलाना होगा और नियम समझाने होंगे। मैटल के उपाध्यक्ष और लॉस एंजिल्स, कैलिफोर्निया में खेलों के वैश्विक प्रमुख रे एडलर की ओर से यह प्रेस रिलीज जारी की गई है। उन्होंने कहा, हम यूएनओ के साथ लोगों को लगातार जोड़ने की कोशि?श कर रहे हैं। इसी के तहत यह एक नई पहल की गई है। इस बार हम कुछ नया करने जा रहे हैं और उम्मीद है कि लोगों को पसंद आएगा। नौकरी के लिए आवेदन 10 अगस्त तक किया जा सकेगा।

अजब-गजब | ये है दुनिया की सबसे बड़ी गुफा

इस भूमिगत गुफा में घूमने के लिए हर सैलानी पर आता है ढाई लाख का खर्च

अगर आपको गुफाएं घूमने का शौक है तो क्वांग बिन्ह आपके लिए पसंदीदा जगह होगी। बेहद घने जंगलों के बीच यहां 150 से ज्यादा गुफाएं हैं, जिन्हें देखकर आपका मन खुश हो जाएगा। जमीन के नीचे 104 किलोमीटर की भूमिगत दुनिया, जहां भूल भुलैया है तो कई नदियां भी। औषधीय पौधे हैं तो कई तरह के जानवर भी। यह जगह लाखों साल पुरानी बताई जाती है।

दुनिया की सबसे बड़ी गुफा सोन डोंग भी यहीं है। 200 मीटर ऊंची और 5 किलोमीटर लंबी, यह गुफा इतनी बड़ी है कि इसमें 40 मंजिला कई गगनचुंबी इमारतें बनाई जा सकती हैं। 1991 में एक स्थानीय लकड़हारे ने इस गुफा की खोज की थी। इसके बाद 2009 में वैज्ञानिकों ने इसकी पुष्टि की और तफ्तीश के बाद 2013 में गुफा को सैलानियों के लिए खोल दिया गया। बेहद घने जंगल और कई भूमिगत नदियां इस गुफा की खासियत हैं। अंदर बड़ी-बड़ी इमारतों के जैसे पहाड़ हैं। यहां जाना इतना खतरनाक है कि हर साल सिर्फ 1000 सैलानियों को ही जाने की अनुमति दी जाती है। हर सैलानी पर 2,51,285 रुपये का खर्च आता है। यहां कई गुफाएं अनछुई हैं। उन तक पहुंचने के लिए गाइड के साथ जंगल में रात भर पैदल चलना पड़ता है। इसके बावजूद अब तक सिर्फ 40 फीसदी इलाके तक ही साइंटिस्ट पहुंच पाए हैं। अभी बहुत कुछ खोजना बाकी है। जैसे-जैसे इसकी पड़ताल हो रही, गुफाओं को सैलानियों के लिए खोला जा रहा है। इस गुफा का अपना इको सिस्टम और मौसम पैटर्न है जो बाहरी दुनिया से बिल्कुल अलग है। बारिश का पानी पत्थरों के बीच से अपना रास्ता बनाता है, जिससे धीरे-धीरे भूमिगत नदियां और तालाब बन जाते हैं जो कई किलोमीटर लंबे हो जाते हैं। यानी कई किलोमीटर तक बस पानी ही पानी नजर आता है। क्वांग बिन्ह को दुनिया का सबसे बड़ा गुफा पर्यटन केंद्र बनाती हैं दूरदराज की गुफाएं। यह गुफा उड़ने वाली लोमड़ियों का निवास स्थान है। इस गुफा को एक प्राकृतिक आश्चर्य माना जाता है जिसे 2013 में बहुत सीमित पर्यटन के लिए खोला गया था लेकिन इसके बाद पूरे इलाके के लोगों का जीवन ही बदल गया।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर बोला हमला

चोरी से दिल्ली की सत्ता हथियाने की साजिश

» बोले- इस बिल से पीएम ने लोगों की आजादी छीनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली बिल राज्यसभा में पास होने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सोमवार का दिन भारतीय लोकतंत्र के लिए काला दिन रहा। मोदी सरकार ने राज्यसभा में दिल्ली के लोगों को गुलाम बनाने वाला बिल पास कर दिया। उन्होंने इस बिल को अंग्रेजों की ओर से 1935 में लाए गए गवर्नमेंट ऑफ इंडिया कानून जैसा करार दिया। लिहाजा दिल्ली के लोग अपनी पसंद की सरकार तो चुनेंगे, लेकिन उस सरकार को काम करने की कोई शक्ति नहीं होगी।

आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि जब इन लोगों को लगा कि आम आदमी पार्टी को हराना मुश्किल है, तब इन्होंने पिछले दरवाजे से अध्यादेश लाकर दिल्ली की सत्ता हथियाने की कोशिश की है। आजादी से पहले 1935 में अंग्रेजों ने एक कानून बनाया था। उस कानून में अंग्रेजों ने ये लिखा था कि भारत में चुनाव तो होंगे, लेकिन जो सरकार चुनी जाएगी, उसको कोई काम करने की शक्ति नहीं होगी। जब हमारा देश आजाद हुआ तो हमने संविधान बनाया और संविधान में हमने लिखा कि चुनाव होंगे, लोग अपनी सरकार चुनेंगे और जो सरकार चुनेंगे, उस सरकार को लोगों के लिए काम करने की सारी शक्तियां होंगी। मगर आज आजादी के 75 साल के बाद प्रधानमंत्री ने दिल्ली के लोगों की आजादी छीन ली।

सीएम केजरीवल ने कहा कि 11 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में भारत एक जनतंत्र देश बताया था। इस जनतंत्र में जनता अपनी सरकार चुनती है और उस सरकार को जनता के लिए काम करने की पूरी ताकत होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट का जैसे ही आदेश आया, उसके एक हफ्ते के बाद ही प्रधानमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश को पलट दिया और उसके खिलाफ एक अध्यादेश लेकर आए। केंद्र सरकार ने सोमवार को संसद ने उस अध्यादेश को इस देश का कानून बना दिया कि अब दिल्ली के लोगों की चुनी हुई सरकार को काम करने की कोई ताकत नहीं होगी। इस कानून में लिखा है कि दिल्ली के लोग जो मर्जी सरकार बनाएं, लेकिन उस सरकार को सीधे-सीधे उपराज्यपाल और मोदी चलाएंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी को हराना बहुत मुश्किल है। दिल्ली में 2013, 2015 और 2020 में विधानसभा चुनाव हारने के बाद एमसीडी का चुनाव भी भाजपा हार गई। पिछले 25 साल से दिल्ली के अंदर भाजपा की सरकार नहीं बनी है। 25 साल से इनको दिल्ली के लोगों ने वनवास दिया हुआ है। वहीं, उन्होंने बिल के प्रावधानों का जिक्र करते हुए कहा कि संसद में जो कानून पास किया गया है, उसमें लिखा है कि दिल्ली सरकार में ए, बी, सी और डी कैटगरी में जितने भी कर्मचारी हैं, उन सबके के बारे में पूरी पॉलिसी केंद्र सरकार बनाएगी कि किस अधिकारी का ट्रांसफर किया जाएगा और कौन कर्मचारी क्या काम करेगा।

राघव चड्ढा और अमित शाह में तीखी बहस

विधेयक पास होने के समय सदन में आप सांसद राघव चड्ढा के कारण हंगामा शुरू हो गया। दरअसल, चड्ढा ने विधेयक से संबंधित एक प्रस्ताव पेश किया था, जिसपर बवाल मच गया। गृहमंत्री अमित शाह ने मामले में जांच की मांग की है। वहीं राघव चड्ढा का कहना है कि नोटिस मिलने पर वे जवाब दे देंगे। दरअसल, उच्च सदन में जब 'दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र शासन संशोधन विधेयक 2023' पर चर्चा पूरी हुई। इसके बाद उपसभापति हरिवंश ने इसे पारित कराने के लिए विपक्षी सदस्यों द्वारा लाए गए संशोधनों को खारिज शुरू किया। इसके बाद आप सांसद राघव चड्ढा का प्रस्ताव आया, जिन्होंने विधेयक को प्रवर समिति में भेजने का प्रस्ताव था। इसमें समिति सदस्यों के नाम भी थे।

मामले में गृहमंत्री अमित शाह ने आपत्ति जताते हुए कहा कि दो सदस्यों का कहना है कि उनकी सहमति के बिना प्रस्ताव में उनके नाम डाले गए। प्रस्ताव पर उन सदस्यों के हस्ताक्षर भी नहीं है। शाह का कहना है कि यह जांच का विषय है। शाह का कहना है कि बात अब सिर्फ दिल्ली के फर्जीपन की नहीं है बल्कि, सदन के अंदर फर्जीपन की है। शाह ने इसे सदन के विशेषाधिकार का उल्लंघन बताया है। शाह का कहना है कि मामला विशेषाधिकार समिति के पास भेजा जाना चाहिए।

'भाजपा वाले आप से काम में मुकाबला नहीं कर सकते'

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री दिल्ली में ऐसा इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि पिछले 7-8 साल में बिना किसी पावर के भी हम लोगों ने बहुत शानदार काम किए हैं। दिल्ली में हमने इतने शानदार स्कूल-अस्पताल बनाए, 24 घंटे बिजली कर दी, बिजली फ्री कर दी, घर-घर पानी पहुंचा रहे हैं, सड़कें बनाई। लेकिन इन लोगों से ये काम नहीं हो रहे हैं। 30 साल से गुजरात में इनकी सरकार है। इन्होंने गुजरात का बेड़ा गर्क कर दिया है।

फोटो: 4 पीएम

विरोध आजमगढ़ चिल्ड्रेन गर्ल्स स्कूल की प्रिंसिपल व शिक्षक की गिरफ्तारी और जमानत खारिज होने के विरोध में अनएडेड प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के आह्वान पर आज प्रदेश के सीबीएसई, आइसीएसई, यूपी बोर्ड और अन्य बोर्ड से संचालित निजी, मिशनरीज स्कूल बंद रहे।

केजरीवाल, संजय सिंह को मानहानि मामले में राहत देने से अदालत का इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। गुजरात में अहमदाबाद की एक सत्र अदालत ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह की ओर से दायर उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ आपराधिक मानहानि मामले में सुनवाई पर अंतरिम रोक लगाने का आग्रह किया था।

सत्र न्यायाधीश एजे कनानी की अदालत ने मेट्रोपोलिटन अदालत में चल रहे आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई पर अंतरिम रोक लगाने का आग्रह करने वाली आप नेताओं की याचिकाएं खारिज कर दी हैं। यह मामला गुजरात विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिग्री के सिलसिले में केजरीवाल और सिंह के 'व्यंगात्मक' और 'अपमानजनक' बयानों को लेकर दायर किया था। आप नेताओं के वकील पुनित जुनेजा ने कहा कि अदालत ने शनिवार को अपना आदेश जारी किया और गुजरात विश्वविद्यालय द्वारा समय मांगे जाने के बाद मामले की अगली सुनवाई 21 अगस्त के लिए मुकर्रर कर दी। जुनेजा ने कहा कि केजरीवाल और सिंह ने मानहानि मामले में मेट्रोपोलिटन अदालत के समन को चुनौती देते हुए सत्र अदालत में एक पुनर्विचार याचिका दायर की थी और अपनी मुख्य याचिका के लंबित रहने के दौरान सत्र अदालत से अंतरिम राहत मांगी थी तथा उनकी मुख्य याचिका को अदालत ने खारिज कर दिया था। मेट्रोपोलिटन अदालत ने दोनों नेताओं को इस संबंध में जारी समन को लेकर 11 अगस्त को अदालत में उपस्थित रहने का निर्देश दिया है। जुनेजा ने कहा, हमने यहां मेट्रोपोलिटन अदालत में चल रहे आपराधिक मानहानि मामले की सुनवाई पर अंतरिम रोक लगाने के लिए सत्र अदालत में एक याचिका दायर की थी।

आतिशी को सर्विस और विजिलेंस विभाग सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली सर्विस बिल संसद से पास होते ही दिल्ली सरकार ने अपने मंत्रालय में बड़ा बदलाव किया है। सीएम अरविंद केजरीवाल ने मंत्री आतिशी मर्लेना को सर्विस और विजिलेंस विभाग सौंपा है। इससे पहले ये दोनों ही विभाग सौरभ भारद्वाज के पास था। मनीष सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के जेल जाने और उनके इस्तीफे के बाद ये दोनों विभाग सौरभ भारद्वाज को सौंपा गया था। लेकिन अब ये विभाग आतिशी को दिए गए हैं। जानकारी के मुताबिक, सीएम अरविंद केजरीवाल ने अपने मंत्रालय में नए बदलाव की फाइल दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना वीके सक्सेना के पास मंजूरी के लिए भेज दिए हैं।

सविता ने इस्तांबुल में लगाया स्वर्णिम दांव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इस्तांबुल। इस्तांबुल में चल रही अंडर-17 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में रोहतक की बेटी सविता ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। ये दूसरी बार है जब सविता ने ये उपल्बधि हासिल की है। सविता ने फाइनल राउंड में जापान की खिलाड़ी को 9-6 से हराकर गोल्ड पर कब्जा किया।

इस दौरान उन्होंने पहले राउंड में तुर्की की खिलाड़ी को 13-1, दूसरे राउंड में कजाकिस्तान की खिलाड़ी को 16-5, तीसरे में अमेरिका की खिलाड़ी को 10-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई। सविता के अलावा रचना परमार ने 40 किलोग्राम में सिल्वर और नेहा सांगवान ने 57 किलो भारवर्ग में कास्य पदक अपने नाम किया। पिलानी निवासी सविता ने पहले मुकाबले में तुर्कि की पहलवान को हराकर 12-1 से मात देकर जीत के सफर को शुरू किया। उसके बाद दूसरे मुकाबले में यूएसए की पहलवान को एकतरफा मुकाबले में 12-0 से हराकर गोल्ड के करीब पहुंची। उसके बाद तीसरे मुकाबले में उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को 16-5 से मात दी।

दूसरी बार वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में जीता गोल्ड

डब्ल्यूएफआई चुनाव उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी

अपने जमाने के दिग्गज पहलवान करतार सिंह उन पांच उम्मीदवारों में शामिल हैं जो भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के 12 अगस्त को होने वाले चुनाव में उपाध्यक्ष के चार पदों के लिए दौड़ में हैं। उनके अलावा उपाध्यक्ष पद की दौड़ में असित कुमार साहा (बंगाल), जय प्रकाश (दिल्ली), मोहन यादव (मध्य प्रदेश) और एन फोनी (मणिपुर) शामिल हैं। अध्यक्ष पद के लिए डब्ल्यूएफआई के निवर्तमान अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के वफादार संजय कुमार सिंह (उत्तर प्रदेश) और राष्ट्रमंडल खेल 2010 की स्वर्ण पदक विजेता अनीता श्योराण के बीच सीधा मुकाबला होगा। पता चला है कि 38 वर्षीय अनीता को बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक सहित उन छह पहलवानों का समर्थन हासिल है जिन्होंने बृजभूषण के खिलाफ जंतर मंतर पर धरना प्रदर्शन किया था। चुनाव के लिए अंतिम सूची इस प्रकार है : अध्यक्ष: अनिता श्योराण, संजय कुमार सिंह। वरिष्ठ उपाध्यक्ष- देवेंदर कादियान, आईडी नानावटी। उपाध्यक्ष - असित कुमार साहा, जय प्रकाश, करतार सिंह, मोहन यादव, एन फोनी। महासचिव- दर्शन लाल, प्रेम चंद लोचब। कोषाध्यक्ष- दुष्यंत शर्मा, सत्यपाल सिंह देशवाल। संयुक्त सचिव- बेलिपडी गुणरंजन शेट्टी, कुलदीप सिंह, आरके पुरूषोत्तम, रोहताश सिंह। कार्यकारी सदस्य- अजय वैद, एम. लोगानाथन, नेविकुओली खात्सी, प्रशांत राय, रजनीश कुमार, रतुल सरमा, उम्मेद सिंह।

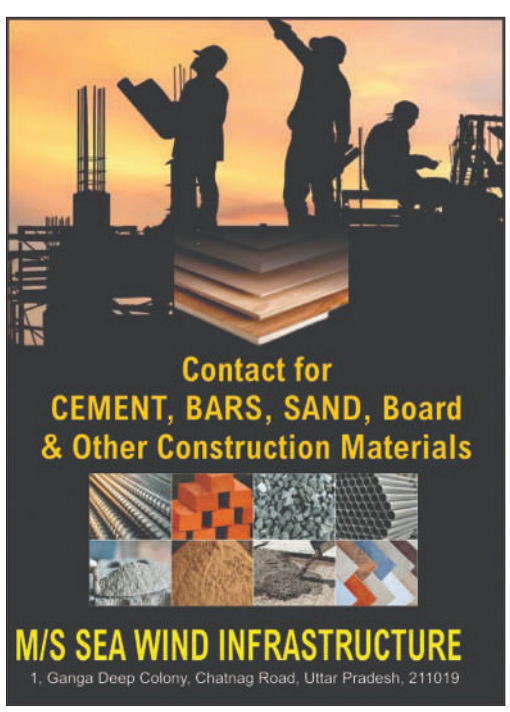

विधानसभा में सरकार पर विपक्ष का हमला

प्रदेश में बाढ़ की स्थिति और महंगाई के मुद्दे को लेकर हंगामा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । लखनऊ। यूपी विधानमंडल सत्र का आज दूसरा दिन है। विधानसभा की कार्यवाही शुरू हो चुकी है। सवाल-जवाब का दौर जारी है। वहीं, विधान परिषद में हंगामा हो रहा है। सपा सदस्यों ने वेल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी और फिर बर्हिगमन कर लिया। समाजवादी पार्टी ने विधानसभा में मंगलवार को प्रदेश में बाढ़ की स्थिति और महंगाई के मुद्दे को लेकर हंगामा कर सरकार को घेरने की रणनीति बनाई। सपा की ओर से उत्तर प्रदेश नागर स्थानीय स्वायत्त शासन विधि संशोधन अध्यादेश 2023 और उत्तर प्रदेश नगर पालिका संशोधन अध्यादेश 2023 का भी विरोध किया जा सकता है।

परिषद में नारेबाजी करते हुए वेल में आए सपाई

सूत्रों के मुताबिक सपा उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अध्यादेश-2023 (द्वितीय एवं तृतीय संशोधन) पर भी सवाल खड़े कर सकती है। इससे पहले यूपी विधानसभा सत्र का पहला दिन एक-दूसरे पर किए गए निजी हमलों के नाम भी रहा। सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने एक-दूजे पर जवाबी हमले किए। सदन में अतीक और अशरफ सहित 12 पूर्व विधायकों को दी गई श्रद्धांजलि दी गई। वहीं चार विधायकों का जन्मदिन भी मनाया गया।

बेरोजगारी के मुद्दे पर अखिलेश ने योगी को घेरा

यूपी में विधानमंडल का मानसून सत्र चल रहा है। आज सदन की कार्यवाही का दूसरा दिन है। सदन में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर सवाल उठाए और बेरोगारी के मुद्दे पर घेरा। अखिलेश यादव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी प्रदेश में बेरोजगारी की दर तो बताते हैं पर रोजगार कितने दिए इस पर कभी बात नहीं करते हैं। जिस पर जवाब देते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रदेश में रोजगार का सृजन हो रहा है। भर्ती प्रक्रिया साफ-सुथरे तरीके से सम्पन्न हो रही है। आज प्रदेश की बेरोजगारी दर 19 प्रतिशत से घटकर तीन से चार फीसदी हो गई है। एक अन्य सवाल में अखिलेश यादव ने पूछा कि मुख्यमंत्री योगी बताएं कि प्रदेश में 2017 से 2022 तक 15 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों की संख्या में कितनी बढ़त हुई है और सरकार आने वाले समय में इन बच्चों के रोजगार के लिए क्या कर रही है? इस पर मुख्यमंत्री योगी ने जवाब दिया कि मुझे खुशी है कि समाजवादियों की सोच में इतना तो बदलाव हुआ कि अब वो जनसंख्या की बात कर रहे हैं। जिसे नियंत्रित करने के लिए ही समान कानून लाने की बात की जा रही है। इसी बहाने योगी ने इशारों-इशारों में समान नागरिक संहिता का जिक्र कर दिया। वहीं, सदन की कार्यवाही प्रारंभ होते ही विधान परिषद में हंगामा हो गया। सपा सदस्यों ने वेल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी और फिर बर्हिगमन कर लिया। इससे पहले यूपी विधानसभा सत्र का पहला दिन एक-दूसरे पर किए गए निजी हमलों के नाम भी रहा। सत्ता और विपक्ष के नेताओं ने एक-दूजे पर जवाबी हमले किए।

कई विधेयक व अध्यादेश हुए पेश

विधानमंडल सत्र के पहले दिन सदन में कई अध्यादेश पेश हुए इनमें उत्तर प्रदेश दंड विधि (अपराधों का शमन और विचारणों को उपशमन (संशोधन) अध्यादेश 2023,उत्तर प्रदेश नगर पालिका संशोधन अध्यादेश - 2023, उत्तर प्रदेश नागर स्थानीय स्वायत्त शासन विधि (संशोधन) अध्यादेश - 2023,कृषि उत्पादन मंडी (संशोधन) अध्यादेश - 2023,उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय संशोधन अध्यादेश- 2023 (अध्यादेश संख्या -6 से 11), उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास संशोधन अध्यादेश - 2023,उत्तर प्रदेश जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्वविद्यालय अध्यादेश - 2023, उत्तर प्रदेश माल एवं सेवा कर (संशोधन) अध्यादेश-2023 शामिल है। वहीं कई विधेयक भी आए जिनमें उत्तर प्रदेश माल एवं सेवाकर संशोधन विधेयक 2023, उत्तर प्रदेश दंड विधि संशोधन विधेयक - 2023,उत्तर प्रदेश नगर योजना और विकास संशोधन विधेयक - 2023, उत्तर प्रदेश नागर स्थनीय स्वायत्त शासन विधि संशोधन विधेयक - 2023, उत्तर प्रदेश नगर पालिका संशोधन विधेयक - 2023,उत्तर प्रदेश कृषि उत्पादन मंडी (संशोधन) विधेयक 2023।,उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक -2023, उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक (द्वितीय संशोधन) - 2023, उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग विधेयक - 20,उत्तर प्रदेश कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक -2023, उत्तर प्रदेश जगद्गुरू रामभद्राचार्य दिव्यांग राज्य विश्विद्यालय विधेयक - 2023 शामिल हे।

सदन की झलकियां

फोटोः सुमित कुमार

ज्ञानवापी मामले में कोर्ट का करारा झटका

गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक की याचिका खारिज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी परिसर में गैर हिंदुओं के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। हाईकोर्ट में यह याचिका राखी सिंह व अन्य की तरफ से दाखिल की गई थी। इस पर मुख्य न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की खंडपीठ ने सुनवाई की।

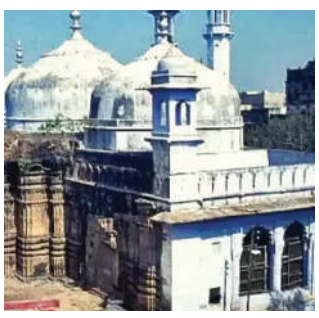

इस जनहित याचिका में मांग की गई थी कि श्रृंगार गौरी केस में जब तक वाराणसी जिला अदालत का फैसला नहीं आ जाता तब तक परिसर में गैर हिंदुओं का प्रवेश प्रतिबंधित किया जाए और ज्ञानवापी परिसर में मिले हिंदू प्रतीक चिन्हों को संरक्षित रखने का आदेश दिया जाए। जनहित याचिका में कहा गया था कि वाराणसी में आदि विश्वेश्वर मंदिर (वर्तमान ज्ञानवापी परिसर) के सदियों पुराने अवशेषों को बचाना है। दावा किया गया था कि विवादित स्थल (सेटलमेंट प्लॉट नंबर 9130 वार्ड और दशाश्वमेघ वाराणसी) पर एक भव्य मंदिर हुआ करता था, जहां भगवान शिव ने स्वयं ज्योतिर्लिंग की स्थापना की थी। सन् 1669 में मुस्लिम शासक औरंगजेब ने इस मंदिर को नष्ट कर दिया था। कहा गया है कि उक्त मंदिर को नष्ट करने के बाद मुसलमानों ने अनधिकृत रूप से मंदिर परिसर में अतिक्रमण किया और एक संरचना बनाई जो कि कथित ज्ञानवापी मस्जिद है।

एएसआई की टीम का सर्वे जारी, चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात

वाराणसी में ज्ञानवापी परिसर का सर्वे चल रहा है। एएसएई की टीम सुबह करीब आठ बजे परिसर में पहुंची। सर्वे के मद्देनजर सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए हैं। ज्ञानवापी से सटे गेट नंबर चार के पास एटीएस कमांडो की तैनाती रही। इसी तरह पुलिस, आरएएफ व पीएसी के जवान चप्पे-चप्पे पर तैनात दिखे। गोदौलिया से मैदागिन तक बैरिकेडिंग करके आवागमन को आसान बनाने का प्रयास किया गया। सातवें दिन यानी बुधवार से ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (जीपीआर) तकनीक से सर्वे शुरू हो सकता है। आईआईटी कानपुर की विशेषज्ञों की टीम बुधवार की रात तक वाराणसी पहुंच सकती है। एएसआई ने आईआईटी कानपुर से ज्ञानवापी सर्वे में मदद मांगी है। आईआईटी के पास आधुनिक रडार है। रडार सर्वे में ज्ञानवापी परिसर का नए सिरे से अध्ययन किया जाएगा। जीपीआर की मदद से खोदाई के बगैर जमीन के नीचे का सच जाना जा सकता है

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।